वेबिनार में एक्सपर्ट ने जताई उम्मीद

2025 के बाद डाटा एनालिस्ट, डाटा साइंटिस्ट और क्लाउड कंप्यूटिंग फील्ड में आएगा बूम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ कोविड-19 के बाद लगभग 8.5 करोड़ नौकरियां चली गईं। दुनिया डिजिटल मोड पर आ गई। ऐसा अनुमान है कि 2025 तक 44% नौकरियां टैलेंट के आधार पर, 40% नौकरियां वर्क फ्रॉम होम पर और 91% प्रतिशत नौकरियां ग्लोबल बिजनेस के मुताबिक मिलेंगी। यह कहा डॉ. पीके पांडेय संचालक एलसीईटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस ने। वे विप्र कॉलेज में करियर इन डिजिटल वर्ल्ड एंड रोल ऑफ टेक्नोलॉजी विषय पर तीन दिनी नेशनल वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। बोले- 2025 के बाद डाटा एनालिस्ट, डाटा साइंटिस्ट ,क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आदि के क्षेत्र में नौकरियां होंगी। जिसके लिए लोगों के पास एनालिटिकल थिंकिंग, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग की क्वालिटी होनी चाहिए।

डिजिटलाइजेशन गांवों तक पहुंचे तभी डिजिटल इंडिया कहेंगे

चीफ गेस्ट रविवि के पूर्व कुलपति प्रो. एसके पांडेय ने कहा, पाषाण युग से कंप्यूटर युग तक पहुंच गए हैं। इस महामारी ने हम सब को डिजिटल रूप से परिवर्तित कर दिया है। मैंने पहली बार मुंबई में डिजिटल इक्विपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा निर्मित एक कमरे के आकार का कंप्यूटर देखा था। आज टेक्नोलॉजी ने उसी कंप्यूटर को बैग या जेब में सिमट के रख दिया है। आने वाली पीढ़ियां तो शायद कैमरा भूल जाएंगी क्योंकि मोबाइल में ही अच्छी क्वालिटी के कैमरे आने लगे हैं। आज जीपीएस सिस्टम से हर व्यक्ति के लोकेशन को पता लगाया जा सकता है। यदि हमारा डिजिटलाइजेशन गांव-गांव तक पहुंचे तभी हम उसे डिजिटल इंडिया कहेंगे।

इफेक्टिव कम्युनिकेशन से बनेगी बात

प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ शासकीय हमीदिया कॉलेज भोपाल के डॉ. विनीता सिंग चौधरी ने इफेक्टिव कम्युनिकेशन इन डिजिटल वर्ल्ड विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा, बात का तरीका ऐसा हो कि सामने वाले को पूरी तरह समझ आए। तभी आपके कहने का कोई औचित्य है। उन्होंने कम्युनिकेशन के अलग-अलग फॉर्म जैसे रिटर्न फॉर्म ,औरल फॉर्म और नॉन वर्बल फॉर्म के बारे में बताया। इसके बाद विषय विशेषज्ञ छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश से डॉ. अमर सिंग ने डिटेल्स ऑल वर्ल्ड का उपयोग करके पर्सनालिटी डेवलपमेंट के विधियों पर प्रकाश डाला। सूचनाओं के स्रोत का उपयोग करके हमेशा अपडेट रहने की प्रक्रिया से अवगत कराएं।